अर्द्धवार्षिक परीक्षा : 2021-22

कक्षा : 11

समय : 3.15 घंटा | विषय : सामान्य हिन्दी | पूर्णांक : 100

निर्देश: (1) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(2) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित है।

1. (क) 'जागरण-सुधार काल' के नाम से विख्यात युग है। 5
(1) भारतेन्दु युग (2) द्विवेदी युग
(3) छायावादी युग (4) प्रगतिवादी युग

(ख) हिंदी गद्य-साहित्य के जनक माने जाते हैं-
(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (2) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(3) सदल मिश्र (4) इंशा अल्ला खाँ

(ग) 'कलम का सिपाही' की गद्य-विधा है-
(1) उपन्यास (2) आत्मकथा
(3) जीवनी (4) नाटक

(घ) 'निस्सहाय हिंदू' रचना है-
(1) श्रीनिवास दास की (2) राधाकृष्ण दास की
(3) बालकृष्ण भट्ट की (4) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की

(ङ) निम्न में से उपन्यास विधा की रचना नहीं है-
(1) निर्मला (2) बाणभट्ट की आत्मकथा
(3) अँधेर नगरी (4) परीक्षा गुरू

2. (क) निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ भक्तिकाल का है? 5
(1) पृथ्वीराज रासो (2) साकेत
(3) कामायनी (4) विनयपत्रिका

(ख) 'आदिकाल' का 'वीरगाथा काल' नामकरण किया-
(1) हजारी प्रसाद द्विवेदी (2) डॉ० रामकुमार वर्मा ने
(3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने (4) मिश्र बंधु ने

(ग) खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है-
(1) पृथ्वीराज रासो (2) प्रिय प्रवास
(3) कामायनी (4) साकेत

(घ) पुष्टिमार्ग का जहाज कहा जाता है-
(1) तुलसीदास को (2) कबीर दास को
(3) केशवदास को (4) सूरदास को

(ङ) सही क्रम है-

https://www.upboardonline.com

(1) प्रगतिवाद, छायावाद, प्रयोगवाद, नई कविता।
(2) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, छायावाद, नई कविता।
(3) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता।
(4) छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

(क) इस अभागे आलसी देश में जो कुछ हो जाए, वही बहुत है। हमारे हिन्दुस्तानी लोग तो रेल की गाड़ी हैं। यद्यपि फर्स्ट क्लास, सेकेण्ड क्लास, आदि गाड़ी बहुत अच्छी-अच्छी और बड़े-बड़े महसूल की इस ट्रेन में लगी हैं, पर बिना इंजन सब नहीं चल सकतीं, वैसे तो हिन्दुस्तानी लोगों को कोई चलाने वाला हो, तो ये क्या नहीं कर सकते। इनसे इतना कह दीजिए 'का चुप साधि रहा बलवाना' फिर देखिए हनुमान जी को अपना बल कैसे याद आता है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(2) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने भारतीयों की किन दो मुख्य कमियों को बताया है?
(3) रेखांकित वाक्य में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
(4) 'का चुप साधि रहा बलवाना' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
(5) 'महसूल' का अर्थ लिखिए।

अथवा

(ख) सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है! तरफदारी तो उसे छू तक नहीं गई-पक्षपात की तो गंध तक उसमें नहीं, देखिये न, उदय तो उसका उदयांचल पर हुआ, पर क्षण ही भर में उसने अपने नए किरण-कलाप को उसी पर्वत के शिखर पर नहीं, प्रत्युत सभी पर्वतों के शिखरों पर फैलाकर उन सबकी शोभा बढा दी। उसकी इस उदारता के कारण इस समय ऐसा मालूम हो रहा हे, जैसे सभी भूधरों ने अपने शिखरों-अपने मस्तकों-पर दुपहरिया के लाल-लाल फूलों के मुकुट धारण कर लिए हों।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(2) प्रस्तुत गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(3) पर्वतों के शिखरों पर पड़ती प्रभातकालीन सूर्य की किरणों के विषय में क्या कहा गया है?

https://www.upboardonline.com

(4) प्रस्तुत गद्यांश में सूर्यदेव की उदारता के माध्यम से किसके विषय में संकेत किया गया है?

(5) 'भूधर' के दो पर्यायवाची लिखिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

बलिहारी गुरू आपणैं, द्योहाड़ी के बार।
जिनि मानिष तैं देवता, करत न लागी बार।।
सतगुरू की महिमा अनँत अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार।।

(1) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) मनुष्य से देवता बनाने का क्या तात्पर्य है?

(3) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(4) उपर्युक्त पंक्तियों में अलंकार निरूपण कीजिए।

(5) 'द्योहाड़ी' और 'दिखावणहार' शब्दों के अर्थ लिखिए।

अथवा

मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज कौ पच्छी, फिरि जहाज पर आवै।
कमल-नैन को छाड़ि महातम, और देव कौं ध्यावै।
परम गंग को छाड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
जिहिं मधुकर अंबुज रस चाख्यौ, क्यों करील फल भावै।
सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै।

(1) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) 'कमल नैन' शब्द किसके लिए आया है?

(4) 'दुरमति' और 'अंबुज' शब्द के अर्थ लिखिए।

(5) पक्षी जहाज पर क्यों लौटकर आता है? सूरदास ने अपनी तुलना किससे की है?

5. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय लिखिए। 6

(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (2) महावीर प्रसाद द्विवेदी

6. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखिए। 6

(1) कबीर दास (2) सूरदास

7. दिए गए संस्कृत गद्यांश का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 12

https://www.upboardonline.com

भारतवर्षस्य उत्तरप्रदेश राज्ये प्रयागस्य विशिष्टं स्थानमस्ति। अत्र ब्रह्मण: प्रकृष्टयागकरणात् अस्य नाम प्रयाग: अभवत्। गङ्गायमुनयो: संगमे सितासित जले स्नात्वा जना: विगतकल्मषा भवन्ति इति जनानां विश्वास:। अमायां पौर्णमास्यां संक्रान्तौच स्नानामार्थिन: महान् सम्मर्द: भवति। प्रतिवर्ष मकरंगते सूर्ये माघमासे तु अनेक लक्षा: जना: अत्र आयान्ति मासमेकमुषित्वा च संगमस्य पवित्रेण जलेन विदुषां महात्मनामुपदेशामृतेन च आत्मानं पावयन्ति।

8. निम्नलिखित छंद का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 12

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव।
यद भद्रं तन्न आसुव।।

9. कहानी किसे कहते हैं? 'बलिदान' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 6

10. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखते हुए उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। 4

(क) का बरखा जब कृषि सुखाने।
(ख) आकाश-पाताल एक करना।

11. "जो सुनि समुझि अनीतिरत, जागत रहै जो सोइ।
उपदेसिबो जगाइबो तुलसी उचित न होइ।।"
उपर्युक्त का मात्रात्मक गणना करते हुए छंद स्पष्ट कीजिए। 4

12. "संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे।"
उपर्युक्त पंक्ति में कौन सा अलंकार है? 4

13. 'रस' किसे कहते है? उद्दीपन विभाव या संचारी भाव में से किसी एक को समझाइए। 5

14. निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से किसी एक शब्द-युग्म का अर्थ लिखिए। 4

(क) पयोद-पयोधि
(ख) अविराम-अभिराम

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 7

(1) जातिवाद की समस्या : कारण एवं निवारण
(2) "परहित सरिस धरम नहिं भाई।"
(3) धर्मांतरण : एक कुत्सित प्रयास।
(4) भारत में प्रजातंत्र का भविष्य।

●●●●

https://www.upboardonline.com